09. 12. 82

## Änderungsantrag

der Fraktion der SPD

zur Beratung des Antrags der Abgeordneten Pfeifer, Daweke, Lenzer, Dr. Probst, Frau Dr. Wisniewski, Frau Benedix-Engler, Frau Geiger, Nelle, Rossmanith, Austermann, Graf von Waldburg-Zeil, Frau Dr. Wilms, Boroffka, Dr. Bugl, Engelsberger, Gerstein, Dr. Stavenhagen, Lagershausen, Maaß, Neuhaus, Prangenberg, Weirich, Rühe, Susset, Dr. Kunz (Weiden), Niegel, Weiß, Frau Roitzsch, Bühler (Bruchsal), Dr. Jobst, Lowack, Frau Verhülsdonk, Lattmann, Dr. Hennig, Dr.-Ing. Kansy, Clemens, Dallmeyer und der Fraktion der CDU/CSU

— Drucksache 9/1936 —

## Förderung der Drittmittelforschung im Rahmen der Grundlagenforschung

Der Bundestag wolle beschließen:

Nummer 1 Abs. 2 des Antrags – Drucksache 9/1936 – erhält folgende Fassung:

- "Die Bundesregierung wird aufgefordert, im Benehmen mit den Ländern einen Bericht vorzulegen über
- a) Bedeutung und Umfang der privaten und öffentlich geförderten Drittmittelforschung an Hochschulen und Forschungseinrichtungen, die institutionell aus öffentlichen Mitteln gefördert werden (seit 1975);
- b) bestehende Regelungen des Bundes und der Länder zur Dritt<sup>2</sup> mittelforschung;
- c) Hemmnisse, die heute in der Forschungstätigkeit durch nicht genügend eingeworbene Forschungsmittel bestehen;
- d) Möglichkeiten, wie die Einwerbung von Drittmitteln wesentlich erleichtert werden kann;
- e) Möglichkeiten, um Hochschulen und Forschungseinrichtungen in den Stand zu setzen, in eigener Initiative und Verantwortung Forschungsmittel zu gewinnen und zu verwenden."

Bonn, den 9. Dezember 1982

Wehner und Fraktion

|   | • |   |   |   |  |
|---|---|---|---|---|--|
| * |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   | • |   |  |
|   |   | • |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   | - |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   | ` |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |
|   |   |   |   |   |  |